SCHEME OF EXAMINATION OF DIPLOMA IN KARMAKAND (DPK1)
W.E.F. 2022-2023

CENTER FOR MAHARSHI DAYANAND
&
VEDIC STUDIES

Credit Matrix for Diploma in Karmakand **(DPK1)**

Semesters	**Core Course (C)**	**Total**
I	20	20
II	20	20
Total	40	40

Instructions for the Students:

Course Type

Core Course (C) : There are three core courses in each semester. These courses are to be compulsorily studied by a student as a core requirement to complete the Diploma program. Each course is of four credits.

Practical and Viva-Voce (P) : Eight credits are given to the Practical Work and Viva Voce in each semester. This is also compulsory.

Diploma in Karmakand (DPK1)

SCHEME OF EXAMINATION AND SYLLABI
(W.E.F. 2022-2023)

The entire Diploma program will be of one year duration (two semesters) of at least 40 credits. After completing 1st semester with 20 credits the student will earn a certificate in Karmakand

(Semester -I)

Sr. No.	Course Code	Title of the Paper	Type	Credit	Hrs.	Marks	
						Theory	Internal Assessment
1	22CPK11C1	Vaidik Dharma, Darshan evam Sanskriti	C	4	4	80	20
2	22CPK11C2	Vedanga (Kalpa evam Jyotish)	C	4	4	80	20
3	22CPK11C3	Vaidik Yajana evam Sanskar	C	4	4	80	20
4	22CPK11C4	Practical & Viva Voce	P	8	16	**Practical** 150	**Viva- Voce** 50
Total				20	28	**390**	**110**
						500	

(Semester -II)

Sr. No.	Course Code	Title of the Paper	Type	Credit	Hrs.	Marks	
						Theory	Internal Assessment
1	22DPK12C1	Naimittik Evam Kamya Karma Paddhati	C	4	4	80	20
2	22DPK12C2	Pooja evam Sanskar ki Vividh paddhatiyan	C	4	4	80	20
3	22DPK12C3	Purohita Aachaar Mimamsa	C	4	4	80	20
4	22DPK12C4	Practical & Viva Voce	P	8	16	**Practical** 150	**Viva- Voce** 50
Total				20	28	**390**	**110**
						500	

Diploma in Karmakand (DPK1)

Programme Specific Outcomes:

PSO1 Understanding the Vedic Dharma and Culture.
PSO2 Understanding the tradition and importance of Vedic Rituals and Secraments.
PSO3 Acquiring procedural competency in performing Vedic Rituals and Ceremonies.
PSO4 Becoming a professional Purohita (Vedic Priest)

Semester-1

Course- 1 **22CPK11C1**

Vaidik Dharma, Darshan evam Sanskriti

वैदिक धर्म, दर्शन एवं संस्कृति

Course Outcomes:

By completing the course the students
CO1. Will be able to acquaint themselves with rich repository of Vedic literature.
CO2. Will be able to understand the fundamentals of Vedic Dharma & Philosophy.
CO3 Will be able to understand the rich tradition of Vedic Culture.
.

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 80
Internal Assessment : 20
Total Credits : 4

घटक -I वैदिक साहित्य (संहिता, ब्राह्मण एवं उपनिषदों) का सामान्य परिचय	20
घटक -II वैदिक धर्म- वर्णाश्रमधर्म,पुरुषार्थ चतुष्टय, ज्ञान, कर्म, उपासना	20
घटक -III वैदिक दर्शन- षड्दर्शन, तत्त्वमीमांसा, साधनचतुष्टय, पञ्चकोश	20
घटक -IV वैदिक संस्कृति- यज्ञ, योग, व्रत, जप, तप, पर्व, संस्कार	20

दिशानिर्देश :

नोट - 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जाएंगे | 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
2. वैदिक संस्कृति के मूलतत्त्व - सत्यव्रतसिद्धांतालंकार, प्रकाशक- विजयकृष्ण लखनलाल W-7 A ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
3. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
4. एकादशोपनिषद् – सत्यव्रतसिद्धांतालंकार, प्रकाशक- विजयकृष्ण लखनलाल W-7 A ग्रेटर कैलाश , नई दिल्ली
5. ईशादि नौ उपनिषद् – हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर
6. The Principal Upanisads – S. Radhakrishnan
7. धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ

Course-2 22CPK11C2

Vedanga Kalpa evam Jyotish

वेदाङ्ग (कल्प तथा ज्योतिष)

Course Outcomes:

By completing of the course the students:
CO1. Will be able to gain adequate knowledge regarding Kalpa and Jyotish literature.
CO2. Will be able to understand the basis of Vedic Rituals and Sacraments.
CO3. Will be able to have a workable knowledge of Jyotish.

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 80

Internal Assessment : 20

Total Credits : 4

घटक-1 कल्पसाहित्य का परिचय- गृह्यसूत्र, श्रौतसूत्र, शुल्बसूत्र, धर्मसूत्र	20
घटक-2 ज्योतिषशास्त्रीय प्रमुख ग्रन्थों का परिचय	20
घटक-3 पञ्चांग (तिथि ,वार, नक्षत्र, योग और करण), मुहुर्त, राशि, ग्रह, लग्न, कालविभाजन (युग,कल्प,मन्वन्तर,संवत्सर,अयन, ऋतु,मास, पक्ष, दिवस, होरा)	20
घटक- 4 फलित ज्योतिष- समीक्षात्मक विमर्श	20

दिशानिर्देश :

नोट - 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जाएंगे | 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय ज्योतिष -श्री नेमीचन्द शास्त्री
4. गणित ज्योतिष -श्री पण्डित पन्नालाल
5. ज्योतिष तत्त्व -भाग 1 व 2 - प्रो .प्रियव्रत शर्मा) चण्डीगढ़(
6. मुहूर्तचिन्तामणि - चौखम्बा प्रकाशन
7. अवकहडाचक्रम् -- चौखम्बा प्रकाशन
8. ज्योतिष विवेक -आ .वेदव्रत मीमांसक आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली
9. सत्यार्थप्रकाश- महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय अजमेर

Course-3 22CPK11C3

Vaidik Yajan evam Sanskar

वैदिक यज्ञ एवं संस्कार

Course Outcomes:

By completing of the course the students:
CO1. Will be able to understand Five Great Duties (Panch Maha Yajna) and their ritualistic procedure.
CO2. Will be able to understand the Sixteen Sacraments (Shodash Sanskar) and their procedure.
CO3. Will be able to perform Retuals & Secraments (Yajna evam Sanskar).

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 80

Internal Assessment : 20

Total Credits : 4

घटक-1

पञ्चमहायज्ञ- ब्रह्मयज्ञ (सन्ध्या), देवयज्ञ (हवन),पितृयज्ञ,अतिथियज्ञ तथा बलिवैश्वदेवयज्ञ (दयानन्दकृत पञ्चमहायज्ञविधि के अनुसार) 20

घटक-2

प्राग्जन्म संस्कार- गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोनयन ।

जन्मोत्तर शिशु-संस्कार- जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुण्डन(चौलकर्म), कर्णवेध । (दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार) 20

घटक-3

विद्यासंबन्धी संस्कार- उपनयन, वेदारम्भ, समावर्तन ।(दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार) 20

घटक-4

विवाह एवं अन्य संस्कार ।(दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार) 20

दिशानिर्देश :

नोट - 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जाएंगे | 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ

1. पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर।
2. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
3. संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, W-77/A, नई दिल्ली
4. नित्यकर्म विधि- सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
5. नित्यकर्म विधि- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत
6. आर्य सत्संग प्रदीप - डा. सतीश प्रकाश, महर्षि दयानन्द गुरुकुल, न्यूयार्क
7. आर्य संस्कारप्रदीप - डा. सतीश प्रकाश, महर्षि दयानन्द गुरुकुल, न्यूयार्क
8. वैदिक उपासना प्रदीप - डा. बलवीर आचार्य, अन्तर्राष्ट्रीय वैदिकशोधसंस्थान, रोहतक

22CPK11C4
Practical & Viva Voce

इस प्रायोगिक प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी महर्षि दयानन्दकृत पञ्चमहायज्ञविधि के अनुसार ब्रह्मयज्ञ (सन्ध्या), देवयज्ञ (हवन) तथा बलिवैश्वदेवयज्ञ तथा नामकरण, मुण्डन और विवाह संस्कारों के अनुष्ठान के क्रियात्मक अभ्यास के साथ साथ यथा सम्भव अनुष्ठित विधियों के प्रयोजन का परिज्ञान प्राप्त करेंगे।

Semester-2

Course- 1 22DPK12C1
Naimittik Evam Kamya Karma Paddhati
नैमित्तिक एवं काम्य कर्म पद्धति

Course Outcomes:
By completing the course the students
CO1. Will be able to understand the various kinds of Naimittk Karma.
CO2. Will be able to understand the various kinds of Kamya Karma
CO3 Will be able to perform the ceremonies for various Naimittik and Kamya Karma.

समय : 3 घण्टे Theory Marks : 80

Internal Assessment : 20

Total Credits : 4

घटक-1

नैमित्तिक एवं काम्य कर्मों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, अनुष्ठान की उपयोगिता और महत्त्व 20

घटक-2

नैमित्तिक कर्म (व्यक्तिगत) – दर्शेष्टि, पौर्णमासेष्टि, जन्मदिन, विवाहवर्षगाँठ, पुण्यतिथि (विभिन्न संस्कृतियों की परम्परा के साथ) 20

घटक-3

नैमित्तिक कर्म (सामाजिक पर्व-उत्सव) नवसंवत्सर,रामनवमी, कृष्णजन्माष्टमी,श्रावणी, विजयदशमी, दीपावली, होली, वैशाखी, मकर-संक्रान्ति 20

घटक-4

प्रासंगिक एवं काम्यकर्म- व्यापार आरम्भ, वाग्दान, विद्यारम्भ(स्कूल प्रवेश), वाहन-स्वागत, शालाकर्म (शिलान्यास, भूमिपूजन, उद्घाटन आदि) 20

दिशानिर्देश :

नोट - 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जाएंगे | 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ

1. पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर।
2. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
3. पर्वचन्द्रिका- आचार्य प्रेमभिक्षु, सत्यप्रकाशन, मथुरा।
4. आर्यपर्व पद्धति, पं. भवानीप्रसाद, सत्यधर्म प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आर्य संस्कारप्रदीप - डा. सतीश प्रकाश, महर्षि दयानन्द गुरुकुल, न्यूयार्क
6. वैदिक उपासना प्रदीप - डा. बलवीर आचार्य, अन्तर्राष्ट्रीय वैदिकशोधसंस्थान, रोहतक

22DPK12C2

Course- 2 Pooja evam Sanskar ki Vividh paddhatiyan

पूजा एवं संस्कार की विविध पद्धतियाँ

Course Outcomes:

By completing the course the students:
CO1. Will be able to know the different systems of Karmakanda.
CO2. Will be able to understand the different social customs related to Karmakanda.
CO3 Will be able to understand inter cultural relations of various social groups.

समय : 3 घण्टे Theory Marks : 80

Internal Assessment : 20

Total Credits : 4

घटक-1

कर्मकाण्ड की दयानन्दसम्मत वैदिक पद्धति 20

घटक-2

कर्मकाण्ड की सनातन पद्धति 20

घटक-3

कर्मकाण्ड की जैन, बौद्ध एवं सिक्ख पद्धतियाँ 20

घटक-4

विविध विवाह अधिनियमों का सामान्य परिचय 20

दिशानिर्देश :

नोट - 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जाएंगे |

16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ

1. पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर।
2. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष
3. वैदिक सिद्धान्त मीमांसा - पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत
4. श्रौतयज्ञ मीमांसा- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत
5. कर्मठगुरु - मुकुन्दवल्लभ , मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
6. नित्यकर्मपूजा प्रकाश, गीतीप्रैस गोरखपुर
7. जैन संस्कार विधि, पंडित मनसुखलाल नेमिचन्द, निर्णयसागर प्रैस, मुंबई
8. आनन्द कारज- बलवन्त सिंह
9. हिन्दू विवाह अधिनियम- इन्द्रजीत मल्होत्रा, ईस्टर्न बुक कम्पनी

22DPK12C3

Course- 3 Purohita Aachaar Mimamsa

पुरोहित आचारमीमांसा

Course Outcomes:

By completing the course the students:
CO1. Will be able to develop a personality of good Purohit..
CO2. Will be able to know the importance of their duties as Purohit
CO3. Will be able to execute & fulfill social obligations.

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 80
Internal Assessment : 20
Total Credits : 4

घटक-1

पुरोहित की दिनचर्या 20

घटक-2

पुरोहित की वेश-भूषा, भाषा और सामान्य व्यवहार 20

घटक-3

पुरोहित की विद्या और स्वाध्याय 20

घटक-4

पौरोहित्य साध्य-साधन परिचय (यज्ञकुण्ड, यज्ञपात्र, यज्ञसामग्री तथा यज्ञोपयोगी अन्य साधनों का देश,काल,परिस्थिति के अनुसार अनुप्रयोगात्मक बोध) 20

दिशानिर्देश :

नोट - 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जाएंगे | 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ 16

अथवा

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ

1. व्यवहारभानु-- स्वामी दयानन्द सरस्वती
2. आर्योद्देश्य रत्नमाला - - स्वामी दयानन्द सरस्वती
3. यज्ञ आचार संहिता, पं वीरसेन वेदश्रमी, गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली
4. नीतिशतक, भर्तृहरि
5. दृष्टान्त-रत्नमाला, वेदानन्द दण्डी शास्त्री, आर्ष गुरुकुल यज्ञतीर्थ, एटा
6. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
7. संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, W-77/A, नई दिल्ली

Practical & Viva Voce

22DPK12C4

Practical & Viva Voce

इस प्रायोगिक प्रश्नपत्र के अन्तर्गत प्रथम सत्र के प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र के अन्तर्गत सीखे गये यज्ञीय एवं संस्कार सम्बन्धी अनुष्ठानों के अतिरिक्त अन्य सभी यज्ञ एवं संस्कारों (वानप्रस्थ एवं संन्यास को छोड़कर) का महर्षि दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार क्रियात्मक अभ्यास ।

यज्ञप्रार्थना, आरती, जन्मदिन तथा अन्य बधाई गीतों का हारमोनियम के साथ गाने का अभ्यास ।